RAN-2501001204010003

RAN-2501001204010003 / 2501000104033031

S.Y.B.A. (Sem.- IV) Examination April - 2026

Hindi (Paper - 8 - Major)

હિન્દી કાવ્ય (યશોધરા – મૈથિલીશરણ ગુપ્ત)

[Total Marks: 50

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्र.1. निम्नलिखित संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (किन्हीं पाँच) **10**

1. मैथिलीशरण गुप्त जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. गौतम बुद्ध को भिक्षा में यशोधरा ने क्या दिया?
3. ''सखि, वे मुझसे कहकर जाते,
   कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ-बाधा ही पाते?''- प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पात्र की हैं?
4. गौतम बुद्ध की परवरिश किसने की थी?
5. गोपा किसका नाम है?
6. गौतम बुद्ध किसके साथ वन में चले गये?
7. यशोधरा की दासी का नाम लिखिए।

प्र.2. मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व का संक्षप में परिचय लिखिए। **13**

अथवा

प्र.2. 'यशोधरा' काव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

प्र.3. यशोधरा के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। **13**

अथवा

प्र.3. सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्र.4. (अ) टिप्पणी लिखिए। **07**

1. 'यशोधरा' काव्य का उद्देश्य।

अथवा

2. 'यशोधरा' काव्य की भाषा-शैली।

(ब) सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **07**

1. दूँ किस मुँह से तुम्हें उलहना?
   नाथ, मुझे इतना ही कहना।
   हाय!, स्वार्थनी थी मैं ऐसी; रोक तुम्हें रख लेती?
   जहाँ राज्य भी त्याज्य, वहाँ मैं जाने तुम्हें न देती?
   आश्रय होता या वह बहना?
   नाथ, मुझे इतना ही कहना।

अथवा

2. नाथ तुम, जाओ, किन्तु लौट आओगे, आओगे, आओगे।
   नाथ तुम, हमें बिना अपराध अचानक छोड़ कहाँ जाओगे।
   नाथ तुम, अपनाकर सम्पूर्ण सृष्टि को मुझे न अपनाओगे?
   नाथ तुम, उसमें मेरा कुछ होगा, तो कुछ तुम पाओगे?